प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

वायरलेस नेटवर्क पर प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ

पंतनगर। १२ मार्च २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में आज टेक्निकल एजुकेशन क्वालिटी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम (टिक्विप)-।।। के अंतर्गत एक प्रशिक्षण कार्यक्रम, जिसका विषय 'वायरलेस नेटवर्क में आधुनिकतायें है, का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डा. एच.सी. शर्मा, तथा विशिष्ट अतिथि आई.आई.आई.टी. इलाहाबाद के रजिस्ट्रार, प्रो.सी.बी. अक्की थे।

प्रो.सी.बी. अक्की ने प्रशिक्षाणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वायरलेस तकनीक आज के युग में लगभग सभी क्षेत्रों, जैसे चिकित्सा, अभियांत्रिकी, कृषि, शिक्षण एवं संचार में अपना योगदान देकर समस्याओं का समाधान करने के साथ-साथ कार्यों को आसान बना रही है। उन्होंने वायरलेस तकनीक से होने वाले फायदे और नुकसान के बारे में बताया और विद्यार्थियों को इसके प्रति जागरुक रहने को कहा। प्रो. अक्की ने बताया कि अब दुनिया वर्ल्ड वाइड वेब ;) से वर्ल्ड वाइड वायरलेस वेब ;) की तरफ जा रही है। उन्होंने बताया कि हम धीरे-धीरे मोबाइल टेक्नोलॉजी के अधीन होते जा रहे हैं और शारीरिक गतिविधियों में कम शामिल हो रहे हैं। हमें इस टेक्नोलॉजी के अधीन होने के बजाए इसको अपने अधीन करना होगा।

डा. एच.सी. शर्मा ने वायरलेस तकनीक को तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र बताया और इस ट्रेनिंग के सभी प्रतिभागियों को ट्रेनिंग की उपयोगितायों के बारे में बताया। श्री एस.डी. सामंतरे, विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग, ने इस विभाग के इतिहास से रूबरू करवाया एवं विभाग की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। साथ ही कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के पूर्व छात्र-छात्राओं की उपलब्धियों को दर्शाया। तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के समन्वयक, डा. अरूण कुमार, ने टिक्विप के चरण-।।। के बारे में विस्तृत रूप से बताया। उन्होंने यह भी बताया कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के सीखने की क्षमता के मूल्यांकन के लिए बेहतर सिस्टम प्रदान करता है। डा. राजीव सिंह ने वायरलेस टेक्नोलॉजी के महत्व को बताते हुए ट्रेनिंग के विभिन्न विषयों को बताया। उद्घाटन सत्र के अंत में श्री गोविन्द वर्मा ने अतिथियों एवं प्रशिक्षणार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मंचासीन अतिथि एवं वैज्ञानिक।